

शबका वि. (अर.) 1. तारों से बना एक प्रकार का जाल 2. कबूतर फँसाने का एक तिकोना जाल जो एक लकड़ी पर बँधा होता है।

शबकोर वि. (फा.) 1. जिसे रात को दिखाई न देता हो 2. रतौंधी का रोगी, निशांध।

शबकोरी स्त्री. (फा.) 1. रात में दिखाई न पड़ने का रोग, तिमि 2. रतौंधी, निशांधता।

शबखून पुं. (फा.) सेना द्वारा रात के अंधेरे में शत्रु दल पर अचानक किया गया आक्रमण।

शबखुवानी स्त्री. (फा.) वह कहानी या दास्तान जो रात में नींद आने के लिए किसी को सुनाई जाए।

शबगिर्द/शबगर्द वि. (फा.) 1. रात में घूम फिर कर पहरा देने वाला 2. कोतवाल, थानेदार वि. 1. चौकीदार 3. चोर 4. चंद्रमा।

शबगीर वि. (फा.) 1. जो रात को जगाता रहे 2. पिछली रात को उठकर जप-तप करने वाला पुं. 3. पिछली रात में किया गया सफर 4. आधी रात के बाद का समय 5. झींगुर।

शबगून वि. (फा.) 1. रात के रंग का, काले रंग का, काला, कृष्णवर्ण।

शबताब वि. (फा.) 1. रात को चमकने वाला 2. चंद्रमा, चाँद पुं. 1. रात का दीपक 2. जुगनू 3. काली बिल्ली।

शबद वि. (तद्.) 1. शब्द 2. वे उपदेशात्मक पद्य या गीत जो किसी संत या भक्त के लिखे हो जैसे- सिक्ख धर्म में शबद कीर्तन।

शबदी स्त्री. (तद्.) किसी संत के उपदेशात्मक गीतों या पद्यों का संग्रह जैसे- संत गुरुनानक की शब्दी।

शबनम स्त्री. (फा.) 1. ओस 2. सफेद रंग का एक बहुत ही बारीक कपड़ा।

शबनमी स्त्री. (फा.) 1. वह कपड़ा जो ओस से बचने के लिए छपरखर पर तान दिया जाता है, मसहरी, मच्छरदानी 2. वि. ओस जैसी (चमक,

शोभा) 2. आँसुओं से पूर्ण नेत्र जैसे- शबनमी आँखें।

शबबरात स्त्री. (फा.) 1. मुसलमानों का एक त्योहार, शबरात या शब्बेरात/शबेरात।

शबबारा वि. (फा.) 1. रात में टिकने वाला 2. सहवास करने वाला।

शबबेदार वि. (फा.) 1. जो रात भर जागता रहे 2. रातभर जागकर जप-तप करने वाला।

शबमेराज स्त्री. (फा.) इस्लाम के अनुयायियों के अनुसार 23-26 रजब के बीच की रात, जब मुहम्मद ने आसमान में जाकर खुदा से साक्षात्कार किया था।

शबरंग वि. (फा.) 1. रात के रंग का, काले रंग का, कृष्ण वर्ण, स्याह पुं. स्याह रंग का घोड़ा।

शबर वि. (तत्.) 1. भारत के प्रायः दक्षिणी भाग में पहाड़ों में रहने वाली एक अनार्य जाति 2. पहाड़ी व जंगली जाति 3. शिव 4. एक प्रसिद्ध मीमांसक शबर स्वामी 5. हाथ 6. जल।

शबरक वि. (तत्.) जंगली मनुष्य।

शबर-चंदन पुं. (तत्.) पर्वतीय प्रदेशों में होने वाला एक सफेद रंग का चंदन।

शबराँ वि. (अर.) 1. रात में घूमने वाला या यात्रा करने वाला 2. रात में जप-तप करने वाला पुं. 1. चोर, चौकीदार 2. कोतवाल।

शबरी स्त्री. (तद्.) 1. शबर जाति की स्त्री 2. रामायण में वर्णित शबर जाति की एक प्रसिद्ध रामभक्ति में लीन नारी, भीलिनी।

शबल वि. (तत्.) 1. विविध रंगों से युक्त, रंगबिरंगा 2. चितकबरा, धब्बेदार 3. विभिन्न विभागों में विभक्त 4. जो किसी वस्तु की अनुकृति हो पुं. 1. विभिन्न तरह का रंग 2. जल।

शबलत्व वि. (तत्.) 1. विविध रंगों का भाव, शबलता 2. विचित्रता।

शबला स्त्री. (तत्.) 1. चितकबरी गाय 2. कामधेनु।